



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 186]
No. 186]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 22, 2005/फाल्गुन 3, 1926
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 22, 2005/PHALGUNA 3, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2005

सं. 26/2004—2009

का.आ. 241(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के पैराग्राफ 2.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या 22) की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा निर्यात और आयात मदों के आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण, 2004-2009 में निम्नलिखित संशोधन करती है :-

1. अध्याय 1क की शर्त सं० 11 : आयात नीति की सामान्य शर्तें संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ी जाएगी :

(i) वस्त्रों और वस्त्र सामग्री के आयात की अनुमति है बशर्ते कि इनमें खतरनाक रंग निहित न हों, जिनकी उठाई-धराई, उत्पादन, ढुलाई अथवा प्रयोग भारत सरकार द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (1986 का 29) की धारा 6 के उप खण्ड (2) धारा (घ) के प्रावधानों अथवा उनके तहत बने संबंधित नियमों के अन्तर्गत निषिद्ध हैं। इस उद्देश्य हेतु, मूल देश के, आयात खेप राष्ट्रीय प्रत्यायन एजेंसी से प्रत्यायित वस्त्र जाँच प्रयोगशाला से पूर्व पोतलदान प्रमाणपत्र सहित होनी चाहिए। ऐसे मामलों में जहाँ ऐसे प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं हैं, सार्वजनिक सूचना सं. 12 (आर ई-2001)/1997-2002 दिनांक 3 मई, 2001 में निर्दिष्ट एजेंसियों में से किसी एक द्वारा जाँची और प्रमाणित किए गए आयतित खेप का

नमूना प्राप्त करने के बाद खेप की निकासी कर दी जाएगी। नमूना चयन निम्नलिखित मापदंडों पर आधारित होगा:

- (क) 100 प्रतिशत के बजाय कम से कम 25 प्रतिशत नमूनों को जाँच के लिए लिया गया हो।
- (ख) नमूने लेते हुए, सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अधिकाँश नमूने उन देशों की खेपों से लिए गए हों जहाँ नुकसानदायक खतरनाक रंग के प्रयोग पर कानूनी निषेध नहीं है।
- (ग) ऐसे मामलों में जाँच रिपोर्ट छः महीने की अवधि के लिए वैध होगी, जहाँ वस्त्र/उसी विनिर्देशन/उसी गुणवत्ता के वस्त्र/वस्त्र सामग्री आयातित है और आयातक, आपूर्तिकर्ता और मूल देश एक ही हों।

(ii) सभी ऊनी वस्त्र और ऊन मिश्रित वस्त्रों का आयात वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 2001 और अनिवार्य पर्याय अधिनियम, 1955 के साथ पठित अधिसूचना सं. सी ई आर (18)/99-सी एल बी दिनांक 7 मार्च, 1988 द्वारा रांचालित किया जाएगा:

- (क) सभी ऊनी वस्त्र और ऊन मिश्रित कपड़ों के आयात पर कपड़े के मिश्रण की मार्किंग या सैल्वेजस के विवरण को दर्शाया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए, सभी खेपों के साथ मूल देश की राष्ट्रीय प्रत्यायन एजेंसी के साथ प्रत्यायित वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला से पूर्व शिपमैन्ट जाँच प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा, जिसमें ऊनी वस्त्र और मिश्रणों के संयोजन को प्रमाणित किया गया हो। जिस खेप के साथ पूर्व शिपमैन्ट जाँच पत्र संलग्न नहीं होगा, उसे सार्वजनिक सूचना सं. 12 (आर ई 2001) 1997-2002 दिनांक 3 मई 2001 में निर्दिष्ट किसी भी एजेंसी से आयातित खेप का परीक्षण और जाँच की गई हो और नमूनों को प्रमाणित करने के पश्चात निकासी कर दी जाएगी।
- (ख) आयात के साथ उद्गम का प्रमाणपत्र भी लगा होना चाहिए।
- (ग) आयात के साथ ब्राण्ड के मालिक द्वारा यह प्रमाणित करता हुआ प्रमाण पत्र भी लगा हो कि उत्पाद और मार्किंग्स असली हैं और उन्हें ब्राण्ड का नाम प्रयोग करने को प्राधिकृत हैं।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February, 2005

No. 26/2004—2009

S.O. 241(E).—In exercise of powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 2.1 of the Foreign Trade Policy, 2004-09, the Central Government hereby makes the following amendments in the ITC (HS) Classification of Export and Import Items, 2004-09.

1. Condition No. 11 of Chapter 1A : General Conditions of Import Policy would be amended to read as under :

(i) Import of textile and textile articles is permitted subject to the condition that they shall not contain any of the hazardous dyes whose handling, production, carriage or use is prohibited by the Government of India under the provisions of clause (d) of subsection (2) of section 6 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) read with the relevant rule(s) framed there under. For this purpose, the import consignments shall be accompanied by a preshipment certificate from a textile testing laboratory accredited to the National Accreditation Agency of the Country of Origin. In cases where such certificates are not available, the consignment will be cleared after getting a sample of the imported consignment tested & certified from any of the agencies indicated in Public Notice No. 12 (RE-2001)/1997-2002 dated 3rd May, 2001. The sampling will be based on the following parameters:

- (a) At least 25% of samples are drawn for testing instead of 100%.
- (b) While drawing the samples, it will be ensured by Customs that majority samples are drawn from consignments originating from countries where there is no legal prohibition on the use of harmful hazardous Dyes.
- (c) The test report will be valid for a period of six months in cases where the textile / textile articles of the same specification / quality are imported and the importer, supplier and the country of origin are the same.

(ii) Import of all woolen textiles and woolen blended textiles will be governed by Notification No. CER (18)/99-CLB dated 7th March, 1988 read with the Textile (Development & Regulation) Order, 2001 and the Essential Commodities Act, 1955. Imports will, therefore, be subject to the following conditions :-

- (a) All imports of woolen textiles & woolen blended fabrics will display markings or selvedge description indicating the composition of fibre blends. For this purpose, all consignments will be accompanied by a pre-shipment inspection certificate from a textile testing laboratory accredited to the National Accreditation Agency of the Country of Origin certifying the composition of the woolen textile & blends. Consignment not accompanied by a pre-shipment inspection certificate, will be allowed to be cleared after getting the sample of the imported consignment tested & certified from any of the agencies indicated in Public Notice No. 12 (RE-2001) 1997-2002 dated 3rd May, 2001.
- (b) Imports will also be accompanied by a certificate of origin.
- (c) Imports will also be accompanied by a certificate from the brand owners certifying the genuineness of the product & markings thereon as also the authority to use their brand names.

This issues in public interest.

[F. No. 01/89/180/Misc. 39/AM 05/PC-IA]

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade and Ex-officio Addl. Secy.